PDF NOTES ACADEMY

UGC NET

PAPET 1 HINDI MEDIUM

Whatsapp/call

9166830064

3. गद्यांश पढ़ना

निम्नलिखित गद्यांश को ध्यान से पढ़ें और प्रश्न संख्या 1 से 5 का उत्तर दें।

मैंने वह काम हाल ही में किया है जहाँ आपको एक बड़े कार्ड पर हस्ताक्षर करना है - जो खुद के लिए एक डरावनी बात है, खासकर उस समय जब बिग कार्ड के रक्षक मेरे ऊपर झुके हुए थे। अचानक मैं मौके पर था, हेडलाइट्स में एक खरगोश, एक मजेदार संदेश करने के बीच फटा या किसी तरह का मजाक या एक ड्राइंग | मेरे पास उपलब्ध असंख्य विकल्पों से अभिभूत होने के बजाय, मैंने सिर्फ लिखने का फैसला कियाः "शुभकामनाएं, सर्वश्रेष्ठ, जोएल"।

यह तब था जब मैंने महसूस किया था, मेरे आतंक को, कि मैं भूल गया था कि कैसे लिखना है । मेरा संपूर्ण अस्तित्व "कंप्यूटर में अक्षरों को टैप करना" है । मेरी खरीदारी सूचियां मेरे फ़ोन के नोट्स फ़ंक्शन में छिपी हुई हैं। अगर मुझे कुछ याद रखने की जरूरत है तो मैं खुद को एक ई-मेल भेजता हूं। एक कलम ऐसी चीज है जिसे मैं तब चबाता हूं जब मैं सोचने के लिए संघर्ष कर रहा होता हूं। पेपर कुछ ऐसा है जिसे मैं अपने लैपटॉप के नीचे ढेर कर देता हूं ताकि इसे टाइप करने के लिए मुझे आरामदायक ऊंचाई मिल सके।

स्टेशनर्स द्वारा 1,000 किशोरों के एक सर्वेक्षण में, बीक ने पाया कि 10 में से एक के पास एक कलम नहीं है, एक तिहाई ने कभी एक पत्र नहीं लिखा है, और 13 से 19 साल के आधे लोगों को कभी भी बैठकर धन्यवाद लिखने के लिए मजबूर नहीं किया गया है आप पत्र। 80% से अधिक ने कभी प्रेम पत्र नहीं लिखा है, 56% के पास घर पर पत्र पत्र नहीं है। और एक चौथाई ने कभी जन्मदिन कार्ड लिखने की अनूठी यातना को नहीं जाना है। अब तक के सबसे अधिक किशोरों को एक पेन का उपयोग करना है जो एक परीक्षा पेपर पर है।

बिच, क्या आपने मोबाइल फोन के बारे में सुना है? क्या आपने ई-मेल, फेसबुक और स्नैप चैट के बारे में सुना है? यह भविष्य है। कलम मर चुके हैं। कागज मर चुका है। लिखावट एक अवशेष है।

"लिखावट हमारे पास सबसे अधिक रचनात्मक आउटलेट्स में से एक है और इसे अन्य कला रूपों जैसे कि स्केचिंग, पेंटिंग या फोटोग्राफी के समान महत्व दिया जाना चाहिए | "

निम्नलिखित प्रश्नो के उत्तर दो:

1. जब एक बड़े कार्ड पर हस्ताक्षर करने का सामना किया गया, तो लेखक को लगा" हेडलाइट में एक खरगोश" । इस वाक्यांश का क्या मतलब होता है?

(1) असमंजस की स्थिति

(2) सुख की अवस्था

(3) चिंता की स्थिति

(4) दर्द की अवस्था

उत्तर: 1

2. लेखक के अनुसार, कौन सा सबसे अधिक खोज करने का रचनात्मक आउटलेट नहीं है?

(1) लिखावट

(2) फोटोग्राफी

(3) स्केच बनाना

(4) पढ़ना

उत्तरः 4

3. लेखक का पूरा अस्तित्व गोल घूमता है:

(a) कंप्यूटर

(b) मोबाइल फोन

(c) टाइपराइटर

नीचे दिए गए कोड से सही उत्तर की पहचान करें:

(1) (बी) ही

(2) (ए) और (बी) ही

(3) (ए), (बी) और (सी)

(4) (बी) और (सी) केवल

उत्तरः 2

4. बीक सर्वेक्षण के अनुसार, कितने किशोर, एक कलम के मालिक नहीं हैं?

(1) 200

(2) 560

(3) 500

(4) 100

उत्तरः 4

5. लेखक की मुख्य चिंता क्या है ?

(1) कि किशोर संचार के लिए सामाजिक नेटवर्क का उपयोग करते हैं।

(2) कि किशोर मोबाइल फोन का उपयोग करते हैं।

(3) जो किशोर कंप्यूटर का उपयोग करते हैं।

(4) यह कि किशोर हस्तलेखन की कला को भूल गए हैं।

उत्तरः 4

निम्नलिखित गद्यांश को ध्यान से पढ़ें और 6 से 11 तक प्रश्न संख्या का उत्तर दें:

श्रम के संदर्भ में, दशकों के लिए जापानी श्रमिकों की अपेक्षाकृत कम लागत और उच्च गुणवत्ता ने कई टिकाऊ सामानों और उपभोग्य उद्योगों (जैसे मशीनरी, ऑटोमोबाइल, टीवी, रेडियो) में काफी प्रतिस्पर्धात्मक लाभ दिया। फिर श्रम आधारित फायदे दक्षिण कोरिया, फिर मलेशिया, मैक्सिको और अन्य देशों में स्थानांतरित हो गए। आज चीन श्रम के पर सबसे अच्छा पूंजीकरण करता दिखाई दे रहा है। जापानी फर्म अभी भी इस तरह के टिकाऊ सामान, इलेक्ट्रॉनिक्स और अन्य उत्पादों के लिए बाजारों में प्रतिस्पर्धी बनी हुई हैं, लेकिन अन्य औद्योगिक राष्ट्रों में निर्माताओं पर प्रतिस्पर्धात्मक लाभ के लिए श्रम बल पर्याप्त नहीं है। श्रम आधारित लाभ की ऐसी शिफ्टिंग स्पष्ट रूप से विनिर्माण उद्योगों तक सीमित नहीं है। आज, बड़ी संख्या में आईटी और सेवा नौकरियां यूरोप और उत्तरी अमेरिका से भारत, सिंगापुर में जा रही हैं, और अपेक्षाकृत अच्छी तरह से शिक्षित, कम लागत वाले तकनीकी कौशल वाले देशों की तरह हैं। हालाँकि, जैसे-जैसे शैक्षिक स्तर और तकनीकी कौशल दूसरे

देशों, भारत, सिंगापुर में बढ़ रहे हैं, और आज राष्ट्रों को श्रम आधारित प्रतिस्पर्धात्मक लाभ का आनंद मिल रहा है, ऐसे लाभ की संभावना है कि नए प्रतियोगियों के उभरने के माध्यम से निरंतरता नहीं बरती जा सकती है।

पूंजी के लिहाज से, सदियों से सोने के सिक्के और बाद में भी कागज के पैसे ने वित्तीय प्रवाह को प्रतिबंधित कर दिया। इसके बाद क्षेत्रीय सांद्रता का गठन किया गया, जहां बड़े बैंकों, उद्योगों और बाजारों को मिला दिया गया। लेकिन आज पूंजी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर तीव्र गति से बहती है। वैश्विक वाणिज्य को अब व्यावसायिक खिलाड़ियों के बीच क्षेत्रीय सहभागिता की आवश्यकता नहीं है। न्यूयॉर्क, लंदन और टोक्यो जैसे स्थानों में क्षेत्रीय पूंजी सांद्रता अभी भी बनी हुई है, लेकिन राजधानी केंद्रित है जो दुनिया भर में वितरित अन्य पूंजीपतियों पर प्रतिस्पर्धात्मक लाभ के लिए पर्याप्त नहीं है। केवल तभी जब कोई संगठन अपने संसाधनों को संयोजित, एकीकृत और लागू करने में सक्षम हो (जैसे। भूमि, श्रम, पूंजी, आईटी) एक प्रभावी तरीके से, जो प्रतियोगियों द्वारा आसानी से लागू नहीं होता है, इस तरह के संगठन प्रतिस्पर्धात्मक लाभ टिकाऊ ओवरटाइम का आनंद ले सकते हैं।

फर्म के एक ज्ञान-आधारित सिद्धांत में, इस विचार को संगठनात्मक ज्ञान को एक संसाधन के रूप में देखने के लिए विस्तारित किया जाता है, जिसमें पारंपरिक आर्थिक आदानों के समान शक्ति और महत्व का स्तर होता है। बेहतर ज्ञान वाला एक संगठन बाजारों में प्रतिस्पर्धात्मक लाभ प्राप्त कर सकता है जो इस तरह के ज्ञान के आवेदन की सराहना करता है। अर्धचालक, आनुवंशिक इंजीनियरिंग, फार्मास्यूटिकल्स, सॉफ्टवेयर, सैन्य युद्ध, और ज्ञान-गहन प्रतिस्पर्धी एरेनास की तरह, दोनों समय-सिद्ध और वर्तमान उदाहरण प्रदान करते हैं। अर्धचालकों (जैसे कंप्यूटर चिप्स) पर विचार करें, जो मुख्य रूप से रेत और सामान्य धातुओं से बने होते हैं। इन सर्वव्यापी और शक्तिशाली इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों को सामान्य कार्यालय

भवनों के भीतर डिज़ाइन किया गया है, व्यावसायिक रूप से उपलब्ध उपकरणों का उपयोग करते हुए, और कई औद्योगिक देशों में कारखानों के भीतर निर्मित किया गया है। इसलिए, भूमि अर्धचालक उद्योग में महत्वपूर्ण प्रतिस्पर्धी संसाधन नहीं है।

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर के आधार परः

6. किस देश को दशकों तक ऑटोमोबाइल उद्योग में प्रतिस्पर्धात्मक लाभ मिला?

(1) दक्षिण कोरिया

(2) जापान

(3) मैक्सिको

(4) मलेशिया

उत्तर: 2

7. आईटी और सर्विस सेक्टर में भारत और सिंगापुर के श्रम आधारित प्रतिस्पर्धात्मक लाभ क्यों नहीं बनाए जा सकते?

(1) कौशल का स्तर कम होने के कारण।

(2) पूँजी-सघन तकनीक के कारण अतिक्रमण करना ।

(3) नए प्रतियोगियों के कारण।

(4) विनिर्माण उद्योगों में श्रम आधारित लाभ के स्थानांतरण के कारण।

उत्तरः 3

8. एक संगठन प्रतिस्पर्धात्मक लाभ को स्थायी रूप से कैसे प्राप्त कर सकता है?

(1) क्षेत्रीय पूंजी प्रवाह के माध्यम से।

(2) व्यावसायिक खिलाड़ियों के बीच क्षेत्रीय बातचीत के माध्यम से ।

(3) बड़े बैंकों, उद्योगों और बाज़ारों को मिलाकर बनाया गया।

(4) विभिन्न वाद्य यंत्रों के प्रभावी उपयोग से ।

उत्तरः 4

9. विशिष्ट बाजारों में प्रतिस्पर्धात्मक लाभ सुनिश्चित करने के लिए क्या आवश्यक है ?

(1) पूंजी तक पहुंच

(2) सामान्य कार्यालय भवन

(3) श्रेष्ठ ज्ञान

(4) सामान्य धातु

उत्तरः 3

10. मार्ग के बारे में भी उल्लेख किया गया है

(1) वैश्विक वित्तीय प्रवाह

(2) विनिर्माण उद्योग में प्रतिस्पर्धा की अनुपस्थिति

(3) पूंजीपतियों का क्षेत्रीयकरण

(4) संगठनात्मक असंगति

उत्तरः 1

11. लेखक ने किस मार्ग पर तनाव डाला है?

(1) अंतर्राष्ट्रीय वाणिज्य

(2) श्रम-गहन उद्योग

(3) पूंजी संसाधन प्रबंधन

(4) ज्ञान संचालित प्रतिस्पर्धात्मक लाभ

उत्तरः 4

निम्नलिखित गद्यांश को ध्यान से पढ़ें और 12 से 17 तक प्रश्नों के उत्तर दें:

आखिरी महान युद्ध, जिसने लगभग आधुनिक दुनिया की नींव हिला दी थी, भारतीय साहित्य पर हिंसा के खिलाफ लोकप्रिय विद्रोह को बढ़ाने और पश्चिमी दुनिया के 'मानवीय ढोंग' के साथ बढ़ते मोहभंग को जोड़ने से परे बहुत कम प्रभाव पड़ा। यह टैगोर की बाद की कविताओं और उनके अंतिम वसीयतनामा, क्राइसिस इन सिविलाइज़ेशन में स्पष्ट रूप से आवाज़ दी गई थी। भारतीय बुद्धिजीवी नैतिक दुविधा की स्थिति में थे। एक ओर, यह संकट की घड़ी में इंग्लैंड के कुत्ते के साहस के साथ सहानुभूति रखने में मदद नहीं कर सकता था, रूसियों ने क्रूर नाजी भीड़ के खिलाफ दीवार पर अपनी पीठ के साथ लड़ रहे थे, और चीन के साथ जापानी सैन्यवाद की एड़ी के नीचे कराह रहे थे; दूसरी ओर, उनका अपना देश व्यावहारिक रूप से अपनी धरती पर सैन्य कब्जे के तहत था, और सुभास बोस के अधीन एक भारतीय सेना अपने देश को आजाद कराने के लिए विपरीत शिविर से कोशिश कर रही थी। कोई भी रचनात्मक आवेग वफादारी की ऐसी उलझन से जारी नहीं कर

सकता है। 1947 में भारतीय स्वतंत्रता की उपलब्धि, जो कि सहयोगी देशों की जीत के मद्देनजर आई थी और उसके बाद दक्षिण- पूर्व एशिया के पड़ोसी देशों में उपनिवेशवाद के पतन के बाद रचनात्मक ऊर्जा का उत्थान होगा। इसमें कोई संदेह नहीं है,

लेकिन दुर्भाग्य से यह जल्द ही विभाजन की महान पीड़ा में डूबा हुआ था, इसके निर्दोष लोगों के अमानवीय वध और अपनी मातृभूमि से लाखों लोगों के उखाड़ फेंकने के बाद, महात्मा गांधी की शहादत के बाद। इन त्रासदियों ने कश्मीर पर पाकिस्तान के आक्रमण और बांग्लादेश में उसके बाद के अत्याचारों के साथ, वास्तव में एक मार्मिक लेखन को उकसाया, विशेष रूप से सबसे अधिक प्रभावित क्षेत्रों की भाषाओं में, बंगाली, हिंदी, कश्मीरी, पंजाबी, सिंधी और उर्दू | लेकिन मार्मिक या भावुक लेखन खुद महान साहित्य नहीं बनाता है। इन आपदाओं से जो उत्साह और आत्मविश्वास बचा है, वह मुख्य रूप से राष्ट्रीय पुनर्निर्माण और आर्थिक विकास के कार्य में अवशोषित हो गया है। महान साहित्य हमेशा आक्षेपों की श्रृंखला से बाहर निकला है। भारतीय साहित्य आज पहले से कहीं अधिक मात्रा, श्रेणी और विविधता में समृद्ध है।

12. भारतीय साहित्य पर अंतिम महायुद्ध का क्या प्रभाव पड़ा ?

(1) इसका कोई प्रभाव नहीं पड़ा ।

(2) इसने हिंसा के खिलाफ लोकप्रिय विद्रोह को बढ़ा दिया।

(3) इसने साहित्य की नींव हिला दी ।

(4) इसने पश्चिमी दुनिया को शानदार समर्थन दिया ।

उत्तर: 2

13. टैगोर ने अपने अंतिम वसीयतनामे में क्या स्पष्ट किया था?

(1) सुभाष बोस को समर्थन की पेशकश की।

(2) पश्चिमी दुनिया के मानवीय ढोंगों को उजागर किया। (3) इंग्लैंड के प्रति निष्ठा व्यक्त की।

(4) देशों की मुक्ति को प्रोत्साहित किया।

उत्तर: 2

14. महान युद्ध की अवधि के दौरान भारतीय बुद्धिजीवियों का रुख क्या था? (1) रूस की दुर्दशा के प्रति उदासीनता ।

(2) वे जापानी सैन्यवाद के पक्षधर थे।

(3) उन्होंने रचनात्मकता को भ्रमित निष्ठाओं से बाहर करने के लिए प्रेरित किया।

(4) उन्होंने इंग्लैंड के कुत्ते के साहस के लिए सहानुभूति व्यक्त की ।

उत्तरः 4

15. भारतीय साहित्य में रचनात्मक ऊर्जा के डूबने के लिए जिम्मेदार कारक को पहचानें।

(1) किसी की अपनी मिट्टी पर सैन्य कब्जा।

(2) औपनिवेशिक आधिपत्य का विरोध।

(3) विभाजन की महान पीड़ा ।

(4) मित्र राष्ट्रों की विजय ।

उत्तरः 3

16. कश्मीर और बांग्लादेश में त्रासदियों के बाद कौन बच गया था?

(1) अन्य देशों पर संदेह

(2) प्रतिद्वंद्विता का लगातार बने रहना

(3) युद्ध का खतरा

(4) राष्ट्रीय पुनर्निर्माण

उत्तरः 4

17. बीतने का संदेश है कि

(1) आपदाएँ अपरिहार्य हैं।

(2) महान साहित्य आक्षेपों की श्रृंखला से निकलता है।

(3) भारतीय साहित्य में एक परिदृश्य नहीं है ।

(4) साहित्य का युद्ध और स्वतंत्रता से कोई संबंध नहीं है।

उत्तर: 2

पास को ध्यान से पढ़ें और प्रश्न संख्या का उत्तर 18 से 23 तक दें।

जलवायु परिवर्तन को स्थायी विकास के लिए सबसे गंभीर खतरों में से एक माना जाता है, जिसका पर्यावरण, मानव स्वास्थ्य, खाद्य सुरक्षा, आर्थिक गतिविधि, प्राकृतिक संसाधनों और भौतिक बुनियादी ढांचे पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। वैश्विक जलवायु प्राकृतिक रूप से बदलती है। इंटरगवर्नमेंटल पैनल ऑन क्लाइमेट चेंज

(आईपीसीसी) के अनुसार, जलवायु परिवर्तन के प्रभाव पहले से ही देखे गए हैं, और वैज्ञानिक निष्कर्ष बताते हैं कि एहतियाती और त्वरित कार्रवाई आवश्यक है। जलवायु परिवर्तन की कमजोरता केवल भूगोल या प्राकृतिक संसाधनों पर निर्भरता का कार्य नहीं है; इसके सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक आयाम भी हैं जो विभिन्न समूहों के जलवायु परिवर्तन को प्रभावित करते हैं। प्राकृतिक आपदाओं, सूखा, बाढ़, सुपर चक्रवात आदि के कारण गरीब लोगों को संपत्ति के नुकसान को कवर करने के लिए शायद ही कभी बीमा होता है। गरीब समुदाय पहले से ही गरीबी और जलवायु परिवर्तन की मौजूदा चुनौतियों का सामना करने के लिए

संघर्ष कर रहे हैं और जलवायु परिवर्तन कई लोगों को उनकी क्षमता से परे धकेल सकता है। सामना करना या जीवित रहना। यह महत्वपूर्ण है कि इन समुदायों को प्रकृति की बदलती गतिशीलता के अनुकूल बनाने में मदद की जाए। अनुकूलन एक ऐसी प्रक्रिया है जिसके माध्यम से समाज खुद को अनिश्चित भविष्य का सामना करने में बेहतर बनाते हैं। जलवायु परिवर्तन को अपनाने से जलवायु परिवर्तन के नकारात्मक प्रभावों को कम करने (या सकारात्मक लोगों का शोषण) को उचित समायोजन और परिवर्तन करके सही उपाय करने की आवश्यकता होती है। ये तकनीकी विकल्पों से लेकर जैसे कि समुद्री बचाव या बाढ़ - व्यक्तिगत स्तर पर व्यवहार परिवर्तन के लिए स्टिल्ट पर प्रूफ हाउस, जैसे सूखे के समय में पानी के उपयोग को कम करना। अन्य रणनीतियों में चरम घटनाओं के लिए शुरुआती चेतावनी प्रणाली, बेहतर जल प्रबंधन, बेहतर जोखिम प्रबंधन, विभिन्न बीमा विकल्प और जैव विविधता संरक्षण शामिल हैं। वैश्विक तापमान वृद्धि के कारण जलवायु परिवर्तन जिस गति से हो रहा है, उसके कारण यह जरूरी है कि विकासशील देशों की जलवायु परिवर्तन की संभावना कम हो और उनकी अनुकूलन की क्षमता बढ़े और राष्ट्रीय अनुकूलन की योजनाएं लागू हों । जलवायु परिवर्तन को अपनाने से समुदाय राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर समायोजन और परिवर्तन होंगे। समुदायों को अपना लचीलापन बनाना चाहिए, जिसमें पारंपरिक ज्ञान का अधिकतम उपयोग करते हुए उपयुक्त तकनीकों को अपनाना और वर्तमान और भविष्य के 'जलवायु

तनाव से निपटने के लिए अपनी आजीविका में विविधता लाना शामिल है। स्थानीय मैथुन रणनीतियों और ज्ञान का उपयोग सरकार और स्थानीय हस्तक्षेपों के साथ तालमेल में करने की आवश्यकता है। अनुकूलन के हस्तक्षेप की आवश्यकता राष्ट्रीय परिस्थितियों पर निर्भर करती है। जलवायु परिवर्तन और चरम मौसम की घटनाओं से मुकाबला करने पर स्थानीय समुदाय के भीतर ज्ञान और अनुभव का एक बड़ा निकाय है। स्थानीय समुदायों ने हमेशा अपने जलवायु में बदलाव के अनुकूल हो का लक्ष्य रखा है। ऐसा करने के लिए, उन्होंने अपने संसाधनों और अपने ज्ञान के आधार पर तैयारी की है जो पिछले मौसम पैटर्न के अनुभव के माध्यम से संचित है। इसमें ऐसे समय शामिल हैं जब उन्हें बाढ़, सूखा और तूफान जैसी चरम घटनाओं से प्रतिक्रिया करने और पुनर्प्राप्त करने के लिए मजबूर किया गया है। स्थानीय मैथुन रणनीतियाँ अनुकूलन के लिए नियोजन का एक महत्वपूर्ण तत्व है। जलवायु परिवर्तन अग्रणी समुदायों को जलवायु संबंधी चरम सीमाओं के साथ-साथ नए जलवायु परिस्थितियों और चरम सीमाओं का अनुभव करने के लिए अग्रणी है। पारंपरिक ज्ञान कुशल, उपयुक्त और समय प्रदान करने में मदद कर सकता है - वैश्विक तापन के कारण जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को महसूस करने वाले समुदायों में जलवायु परिवर्तन के लिए अनुकूलन और सलाह देने के तरीकों की जांच की जा सकती है।

18. नीचे दिए गए जलवायु परिवर्तन से गरीब लोगों की भेद्यता के कारक हैं। उस कोड का चयन करें जिसमें सही उत्तर हो।

(a) प्राकृतिक संसाधनों पर उनकी निर्भरता

(b) भौगोलिक विशेषताएँ

(c) वित्तीय संसाधनों की कमी

(d) पारंपरिक ज्ञान का अभाव

Po

(1) (ए), (बी) और (सी)

(2) (बी), (सी) और (डी)

(3) (ए), (बी), (सी) और (डी)

(4) (ग) ही

उत्तरः 1

19. एक प्रक्रिया के रूप में अनुकूलन समाजों को सामना करने में सक्षम बनाता है:

(a) अनिश्चित भविष्य

(b) समायोजन और परिवर्तन

(c) जलवायु परिवर्तन का नकारात्मक प्रभाव

(d) जलवायु परिवर्तन का सकारात्मक प्रभाव

निम्नलिखित कोड से सबसे उपयुक्त उत्तर चुनें:

(1) (ए), (बी), (सी) और (डी)

(2) (ए) और (सी)

(3) (बी), (सी) और (डी)

(4) (ग) ही

उत्तरः 1

20. जलवायु परिवर्तन की चुनौती से निपटने के लिए विकासशील देशों की तत्काल आवश्यकता है: (1) जलवायु परिवर्तन का प्रभाव

(2) अपने स्तर पर राष्ट्रीय अनुकूलन नीति का क्रियान्वयन

(3) अल्पकालिक योजनाओं को अपनाना

(4) तकनीकी समाधानों को अपनाना

उत्तर: 2

21. पारंपरिक ज्ञान का उपयोग किया जाना चाहिए:

(1) इसका प्रसार

(2) राष्ट्रीय परिस्थितियों में सुधार

(3) सरकार और स्थानीय हस्तक्षेपों के बीच का तालमेल

(4) आधुनिक तकनीक

उत्तरः 3

22. मार्ग का मुख्य ध्यान केंद्रित है:

(1) उपयुक्त तकनीक के साथ पारंपरिक ज्ञान का मिश्रण

(2) क्षेत्रीय और राष्ट्रीय प्रयासों के बीच समन्वय

(3) जलवायु परिवर्तन के प्रति अनुकूलन

(4) जलवायु परिवर्तन के सामाजिक आयाम

उत्तर: 3

निम्नलिखित मार्ग को ध्यान से पढ़ें और 23 से 27 तक के सवालों के जवाब दें:

यदि भारत को अपनी आंतरिक शक्तियों का विकास करना है, तो राष्ट्र को तीन गतिशील आयामों: लोगों, समग्र अर्थव्यवस्था और सामरिक हितों को ध्यान में रखते हुए, तकनीकी अनिवार्यताओं पर ध्यान केंद्रित करना होगा। ये तकनीकी अनिवार्यताएं एक 'चौथे' आयाम, समय, व्यापार, व्यापार और प्रौद्योगिकी में आधुनिक दिन की गतिशीलता का एक हिस्सा 'जो लक्ष्य को लगातार स्थानांतरित करने की ओर ले जाती है। हम मानते हैं कि लोगों की आकांक्षाओं, वैश्विक संदर्भ में अर्थव्यवस्था और रणनीतिक हितों में निरंतर परिवर्तन अंतर्निहित इस चौथे आयाम से निपटने में तकनीकी ताकत विशेष रूप से महत्वपूर्ण हैं। प्रौद्योगिकी की प्रगति मानव इतिहास के केंद्र में है। तकनीकी ताकत एक तेजी से प्रतिस्पर्धी बाजार जगह में और अधिक उत्पादक रोजगार बनाने और मानव कौशल को लगातार उन्नत करने की कुंजी है। प्रौद्योगिकियों के व्यापक उपयोग के बिना, हम आने वाले वर्षों में अपने लोगों के समग्र विकास को प्राप्त नहीं कर सकते हैं। देश की सामरिक शक्तियों के लिए प्रौद्योगिकी का सीधा संबंध अधिक से अधिक स्पष्ट हो रहा है, खासकर 1990 के दशक से। कई प्रमुख क्षेत्रों में भारत की अपनी ताकत अभी भी भू-राजनीतिक संदर्भ में उचित ताकत की स्थिति में है। विकसित राष्ट्र बनने की आकांक्षा रखने वाले किसी भी राष्ट्र के पास विभिन्न सामरिक प्रौद्योगिकियों में ताकत होनी चाहिए और अपनी रचनात्मक शक्तियों के माध्यम से उन्हें लगातार उन्नत करने की क्षमता भी होनी चाहिए। लोगों के लिए उन्मुख कार्यों के साथ-साथ, चाहे बड़े पैमाने पर उत्पादक रोजगार के निर्माण के लिए या लोगों के लिए पोषण और स्वास्थ्य सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए, या बेहतर रहने की स्थिति के लिए, प्रौद्योगिकी एकमात्र महत्वपूर्ण इनपुट है। अधिक से अधिक तकनीकी आवेगों के अभाव में कम उत्पादकता और कीमती प्राकृतिक संसाधनों का अपव्यय हो सकता है। कम विश्लेषण या कम मूल्यवर्धन वाली गतिविधियाँ, अंतिम विश्लेषण में सबसे गरीब को चोट पहुँचाती हैं।

हमारे लोगों को एक नए जीवन के लिए, और वे जिस जीवन के हकदार हैं, उसे उठाने की तकनीकी अनिवार्यता महत्वपूर्ण है। भारत, सकल घरेलू उत्पाद में व्यापार और वृद्धि के मामले में एक प्रमुख आर्थिक शक्ति बनने की आकांक्षा रखता है, जो कि टर्नकी परियोजनाओं की ताकत पर सफल हो सकता है और विदेशों में या केवल संयंत्र मशीनरी, उपकरणों के बड़े पैमाने पर आयात के माध्यम से और पता है कि कैसे। अल्पकालिक वास्तविकताओं के लिए जीवित रहते हुए भी, हमारे उद्योग के भीतर मुख्य तकनीकी ताकत विकसित करने के लिए मध्यम और दीर्घकालिक रणनीति विकसित भारत की कल्पना करने के लिए महत्वपूर्ण हैं।

23. उपरोक्त गद्यांश के अनुसार, निम्नलिखित में से कौन चौथे आयाम का सूचक है?

(a) लोगों की आकांक्षाएँ

(b) आधुनिक दिन की गतिशीलता

(c) वैश्विक संदर्भ में अर्थव्यवस्था

(d) सामरिक हित

कोड:

(1) (ए), (बी) और (सी) केवल

(2) (बी), (सी) और (डी) केवल

(3) (ए), (सी) और (डी) केवल

(4) (ए), (बी) और (डी) केवल

उत्तरः 3

24. अधिक उत्पादक रोजगार की मांग:

(1) प्रौद्योगिकी का व्यापक उपयोग

(2) प्रतिस्पर्धी बाजार स्थान को सीमित करना

(3) भू-राजनीतिक विचार

(4) बड़े उद्योग

उत्तरः 1

25. प्रौद्योगिकी की अनुपस्थिति के कारण होता है:

(a) कम प्रदूषण

(b) बहुमूल्य प्राकृतिक संसाधनों का अपव्यय

(c) कम मूल्यवर्धन

(d) सबसे गरीबों की जल्दबाजी करना कोड:

(1) (ए), (बी) और (सी) केवल

(2) (बी), (सी) और (डी) केवल

(3) (ए), (बी) और (डी) केवल

(4) (ए), (सी) और (डी) केवल

उत्तर: 2

26. तकनीकी आदानों के लाभ के परिणामस्वरूप होगाः

(1) बेलगाम तकनीकी विकास

(2) संयंत्र मशीनरी का आयात करना

(3) पर्यावरणीय मुद्दों को कम करना

(4) हमारे लोगों को सम्मान के जीवन में उतारना

उत्तरः 4

27. एक विकसित भारत की आवश्यकता है:

(1) एक प्रमुख आर्थिक खिलाड़ी बनने की आकांक्षा

(2) विदेश में डिजाइन की गई परियोजनाओं पर निर्भरता

(3) अल्पकालिक परियोजनाओं पर ध्यान दें

(4) मुख्य तकनीकी शक्तियों का विकास

उत्तरः 4

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़ें और 28 से 32 के उत्तर दें :

• राजनीति के लिए साहित्यिक अरुचि, हालांकि, साहित्यिक प्रतिनिधित्व के विषय के रूप में अपने आप में राजनीति के बड़े पैमाने पर घिनौनी प्रथा पर केंद्रित नहीं है, बल्कि इस बात पर अधिक ध्यान दिया जाता है कि यह अक्सर साहित्य में कैसे चित्रित किया जाता है, अर्थात प्रतिनिधित्व । एक राजनीतिक उपन्यास अक्सर केवल राजनीति के बारे में उपन्यास नहीं बल्कि अपनी खुद की राजनीति के साथ एक

उपन्यास बन जाता है, क्योंकि यह न केवल हमें यह दिखाने के लिए चाहता है कि चीजें कैसी हैं, लेकिन चीजों के बारे में काफी निश्चित विचार हैं, और ठीक क्या है चीजों को उस वांछित दिशा में ले जाने के लिए सोचना और करना चाहिए। संक्षेप में, यह पाठक को एक विशेष कारण या विचारधारा में परिवर्तित और सूचीबद्ध करना चाहता है; यह अक्सर (केवल बहुत परिचित वाक्यांश में) साहित्य नहीं बल्कि प्रचार है। यह साहित्य की बहुत ही भावना का उल्लंघन करने के लिए कहा जाता है जो दुनिया की हमारी समझ और हमारी सहानुभूति की सीमा को व्यापक बनाने के बजाय उन्हें पक्षपातपूर्ण प्रतिबद्धता के माध्यम से संकीर्ण करने के लिए है। जैसा कि जॉन कीट्स ने कहा था, 'हम कविता से नफरत करते हैं, जो हमारे ऊपर एक अद्भुत रचना है।'

एक और कारण है कि राजनीति उच्चतम प्रकार के साहित्यिक प्रतिनिधित्व के लिए उत्तरदायी नहीं लगती है, इस तथ्य से उत्पन्न होती है कि अपने स्वभाव से राजनीति विचारों और विचारधाराओं का गठन करती है। अगर राजनीतिक परिस्थितियाँ खुशहाल साहित्यिक उपचार के लिए खुद को उधार नहीं देती हैं, तो राजनीतिक विचार इस संबंध में एक और भी बड़ी समस्या है। साहित्य, यह तर्क दिया जाता है, बौद्धिक सार के बारे में मानव अनुभवों के बारे में है; यह मानव मांस और रक्त की 'महसूस की गई वास्तविकता' कहलाता है, और पाप और स्वाद में सौदा करता है । (rasa) बजाय और बेजा विचारों के। अपनी पुस्तक आइडियाज़ एंड नोवेल में इस मामले की व्यापक चर्चा में, अमेरिकी उपन्यासकार मैरी मैकार्थी ने देखा कि 'विचारों को आज भी उपन्यास में भद्दा महसूस किया जाता है' हालांकि 'पूर्व दिनों' में ऐसा नहीं था, अर्थात, उपन्यास में 18 वीं और 19 वीं शताब्दी । एक ओर विचारों के बीच असंगति की सटीक प्रकृति का उसका सूत्रीकरण और दूसरी बाजी पर उपन्यास शायद इस मामले में एक विभाजित विवेक और कई लेखकों और पाठकों द्वारा साझा दुविधा की भावनाः 'एक विचार में ढीले अंत नहीं हो सकते, लेकिन एक उपन्यास, मुझे लगभग लगता है, उनकी जरूरत है। फिर भी, उपन्यासकारों को महसूस करने के लिए पर्याप्त है उनके खिलाफ हथियार उठाते समय विचारों का आकर्षण - सबसे

अधिक नकली हथियारों के साथ। '

2 8.अपनी प्रकृति से राजनीति का निर्माण होता है

(A) प्रचलित राजनीतिक स्थिति

(B) विचार और विचारधारा

(C) राजनीतिक प्रचार

(D) मानव प्रकृति की समझ

उत्तरः (सी)

2 9.साहित्य से संबंधित है

(A) राजनीति में मानव अनुभव

(B) बौद्धिक सार

(C) शुष्क और खाली विचार

(D) मानव जीवन की वास्तविकता को महसूस किया उत्तर : (D)

30. उपन्यासकार, मेकार्थी के अवलोकन से पता चलता है

(A) अनदेखी ने उपन्यास में आज के विचारों को महसूस किया

(B) राजनीतिक विचारों और उपन्यासों पर अंतरात्मा की दुहाई (C) विचार और उपन्यास के बीच संगतता

(D) अंतहीन विचार और उपन्यास

उत्तर : (B)

31 .मार्ग के अनुसार, एक राजनीतिक उपन्यास अक्सर एक निकला

(A) राजनीति के लिए साहित्यिक अरुचि

(B) राजनीति का साहित्यिक प्रतिनिधित्व

(C) अपनी स्वयं की राजनीति के साथ उपन्यास

(D) राजनीति के नकली अभ्यास का चित्रण उत्तरः (सी)

32. एक राजनीतिक उपन्यास से पता चलता है

(A) टिंग्स की वास्तविकता

(B) लेखक की धारणा

(C) पाठकों की विशेष विचारधारा

(D) साहित्य की आत्मा

उत्तर : (बी)

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़ें और प्रश्नों का उत्तर 33 से 3 8 दें ।

8285151160

कहानी कहना हमारे जीन में नहीं है। न तो यह एक विकासवादी इतिहास है। यह हमें मानव बनाता है का सार है।

कहानियां सुनाकर इंसान आगे बढ़ता है। एक घटना के परिणामस्वरूप इसके बारे में कई प्रकार की कहानियों का वर्णन किया जा सकता है। कभी-कभी उन कहानियों में बहुत अंतर होता है। कौन-सी कहानियां बार-बार उठाई जाती हैं और कौन-कौन सी गिराई जाती हैं और अक्सर भूल जाती हैं कि मैं कैसे विकास करता हूं । हमारा इतिहास, ज्ञान और समझ भी कुछ कहानियों के संग्रह हैं जो जीवित हैं। इसमें वे कहानियाँ शामिल हैं जो हम एक-दूसरे को भविष्य के बारे में बताते हैं। और भविष्य कैसे बदल जाएगा यह आंशिक रूप से, संभवतः काफी हद तक निर्भर करता है, जिन कहानियों पर हम सामूहिक रूप से विश्वास करना चुनते हैं।

कुछ कहानियां डर और चिंता फैलाने के लिए बनाई गई हैं। ऐसा इसलिए है क्योंकि कुछ कहानीकारों को लगता है कि कुछ तनाव बढ़ाने की जरूरत है। कुछ कहानियाँ भयावह हैं, वे टोटेमिक चेतावनियों की तरह हैं: "अब कार्य करने में विफल और हम सभी बर्बाद हैं।" फिर ऐसी कहानियां हैं जो यह संकेत देती हैं कि सभी तब तक ठीक रहेंगे जब तक हम कुछ विशेष रूप से सक्षम वयस्कों तक सब कुछ छोड़ नहीं देते। वर्तमान में, इस प्रवृत्ति का नेतृत्व उन लोगों द्वारा किया जा रहा है जो खुद को "तर्कसंगत आशावादी" कहते हैं। वे दावा करते हैं कि प्रतिस्पर्धा करना और सफल होना और दूसरों की कीमत पर लाभ प्राप्त करना भी मानव स्वभाव है। तर्कसंगत उम्मीद तथापि, एहसास नहीं है कि कैसे मानवता मिलनसार SOC माध्यम से प्रगति अतिरिक्त समय है मैं अल नेटवर्क और कैसे बड़े समूहों कम स्वार्थ में और इस प्रक्रिया में काम करते हैं अमीर और गरीब, उच्च और निम्न एक जैसे समायोजित। कहानी कहने में इस पहलू को 'प्रैक्टिकल पॉसिबल' माना जाता है, जो उन लोगों के बीच बैठते हैं जो कहते हैं कि सब ठीक है और हंसमुख है और एक सफल भविष्य के लिए आपके दृष्टिकोण में व्यक्तिवादी है, और जो निराशावाद और डर को नियंत्रित करते हैं जो हम बर्बाद होते हैं।

हमारे लिए भविष्य क्या है, हम उन कहानियों को किस तरह धारण करते हैं और हम उन पर कैसे कार्य करते हैं। निम्नलिखित प्रश्नो के उत्तर दो:

33 .तर्कसंगत आशावादीः

(a) अवसरों की तलाश करें।

(b) समझदार और हंसमुख हैं।

(c) स्वार्थ से प्रेरित हैं।

नीचे दिए गए कोड से सही उत्तर की पहचान करें:

(ए) (बी) और (सी) केवल

(बी) (ए), (बी) और (सी)

(सी) (ए) केवल

(डी) (ए) और (बी) केवल

उत्तरः (बी)

34 जब इंसान कम स्वार्थी हो जाता है:

(A) वे एकांत में काम करते हैं

(B) वे बड़े समूहों में काम करते हैं

(C) वे भयावह कहानियाँ सुनते हैं

(D) वे हंसमुख कहानियाँ सुनते हैं उत्तर : (बी)

35. 'प्रैक्टिकल पॉसिबल' वे हैं जोः

(A) हंसमुख और लापरवाह हैं (B) मिडवे पथ का पालन करें (C) कयामत-मोंगर्स हैं

(D) स्व-केंद्रित हैं

उत्तर : (बी)

36. कहानी कह रही है:

(B) एक कला

(C) एक विज्ञान

(D) हमारे जीन में

उत्तरः (ए)

3 7.हमारे ज्ञान का एक संग्रह है:

(A) कुछ महत्वपूर्ण कहानियाँ

(B) वे सभी कहानियाँ जो हमने अपने जीवन काल के दौरान सुनी हैं

(C) कुछ कहानियाँ जो हमें याद हैं

(D) कुछ कहानियाँ जो बच जाती हैं

उत्तर : (D)

3 8 .भविष्य कैसा होगा, यह कहानियों पर निर्भर करता है।

(A) भविष्यवाणी करने के लिए बनाया गया है

(B) हम सामूहिक रूप से विश्वास करना चुनते हैं

(C) जो बार- र-बार 'सुनाए जाते हैं

(D) भय और तनाव फैलाने के लिए बनाया गया है

उत्तरः (बी)

भूगोल पृथ्वी की सतह के भौतिक और मानवीय संगठन को समझना चाहता है । भूगोल के क्षेत्र में, अंतर-संबंधित विषय अक्सर देखे जाते हैं। ये पैमाने, पैटर्न और प्रक्रिया हैं। स्केल को संगठन पर संरचना के स्तर के रूप में परिभाषित किया गया है जिस पर एक घटना का अध्ययन किया जाता है। पैटर्न को एक विशेष पैमाने पर अध्ययन की गई घटना में देखी गई भिन्नता के रूप में परिभाषित किया गया है। तीसरी थीम, प्रक्रिया, पहले दो को जोड़ती है। प्रक्रिया को वर्णन के रूप में परिभाषित किया गया है कि कैसे कारक जो एक ct एक घटना को एक विशेष पैमाने पर एक उत्पाद के लिए कार्य करते हैं । उदाहरण के लिए, जब विमान में कोई यात्री खिड़की से बाहर देखता है, तो दृश्य पैमाने के अनुसार बदल जाता है। वैश्विक स्तर पर जब विमान अपनी ऊंचाई बनाए रखता है, तो वह समय के अनुसार, सभीir पैटर्न, सूर्य या चंद्रमा में बादलों की झंकार देख सकता है | जब विमान थोड़ी ऊंचाई खो देता है, तो यात्री अपने विशाल रंगों और भूमि के आकार में भूमि और पानी के द्रव्यमान को देख सकते हैं। महाद्वीपीय पैमाने पर, यात्री भूमि सुविधाओं के आकार और उन्हें कैसे वितरित किया जाता है, देख सकते हैं। पैटर्न भूमि और पानी की भिन्नता और प्रत्येक के अनुपात के रूप में उभरता है। ध्यान से देखते हुए, यात्री यह नोट कर सकते हैं कि प्रत्येक भूमि द्रव्यमान दूसरों के साथ कैसे संरेखित होता है और प्रत्येक पर्वत उस प्रक्रिया के संकेत को कैसे सहन करता है जिसके माध्यम से यह उभरा।

एक भूगोल में प्रक्रियाएं नियमित और दोहराव वाले तरीके से बदलती हैं। इसका एक उदाहरण सूर्य और पृथ्वी का वार्षिक सौर चक्र है। प्रकृति में अधिकांश प्रणालियां

समय चक्रों को प्रदर्शित करती हैं जो अपने स्वयं के एक लय में आयोजित की जाती हैं क्योंकि ये समय चक्र और प्राकृतिक प्रक्रियाएं हमेशा सक्रिय होती हैं, पृथ्वी का पर्यावरण हमेशा गतिशीलता की स्थिति में होता है। यह पर्यावरण परिवर्तन न केवल प्राकृतिक प्रक्रिया का परिणाम है, बल्कि मानव गतिविधि का भी परिणाम है। भौतिक भूगोल मनुष्य और प्रकृति के बीच बातचीत को समझने की दिशा में काम करता है और वैश्विक जलवायु परिवर्तन को बेहतर ढंग से प्रबंधित करने के लिए इस बातचीत के परिणाम भी ।

3 9.प्रकृति की प्रणाली के समय चक्र अपने स्वयं के पालन करते हैं

(1) पथ

(2) ताल

(3) प्रक्रिया

(4) चक्र

उत्तर : (2)

40. एक विमान की खिड़की से बाहर देख एक यात्री द्वारा देखा गया दृश्य से प्रभावित होगा

(1) प्रक्रिया

(2) प्रतिमान

(3) पैमाना

(4) लय

उत्तरः (3)

41. भौतिक भूगोल मनुष्य और प्रकृति के बीच पारस्परिक क्रिया के परिणामों का अध्ययन करता है

(1) वैश्विक जलवायु परिवर्तन को समझें

(2) प्रकृति पर मनुष्य की गतिविधियों के प्रभाव का अध्ययन करें

(3) वैश्विक

'जलवायु परिवर्तन के मुद्दे पर ध्यान दें

(4) मनुष्य को कम करना - पशु संघर्ष

उत्तर : (3)

42 भूगोल में, पैटर्न एक घटना में देखी गई भिन्नता का अध्ययन करता है

(1) एक विशेष पैमाना

(2) कोई पैमाना

(3) हर पैमाना

(4) सबसे अधिक तराजू

उत्तरः (1)

43 .अन्य तत्वों के साथ बारूदी सुरंग के संरेखण को एक यात्री द्वारा उड़ान पर देखा जा सकता है

(1) वैश्विक पैमाना

(2) महाद्वीपीय पैमाना

(3) स्थानीय स्तर

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़ें और प्रश्नों के उत्तर 44 से 48 दें :

सिंगापुर ने लंबे समय से भारत को क्षेत्र के अभिन्न अंग के रूप में अपनी भूमिका निभाने की वकालत की है। यह देखना सुखद है कि पिछले 25 वर्षों के दौरान आसियान - भारत के संबंध कैसे विकसित हुए हैं। 1991 में, जब शीत युद्ध समाप्त हुआ और भारत ने अपना आर्थिक उदारीकरण शुरू किया, तो सिंगापुर ने एशियाई क्षेत्र के साथ अपने ऐतिहासिक और सांस्कृतिक संबंधों को मजबूत करने और बनाने का अवसर देखा । सिंगापुर ने भारत के लिए 1995 में पूर्ण एशियाई संवाद भागीदार बनने और 1995 में ईएएस में शामिल होने के लिए जोर दिया और तब से, आसियान - भारत संबंधों को

मजबूत किया। कुल मिलाकर, के लिए लगभग 30 प्लेटफार्मों सह operat मैं सात मंत्री संवादों और वार्षिक नेता शिखर सम्मेलन सहित अस्तित्व, पर। हालांकि, अधिक होने की गुंजाइश है और यह एक जरूरी है। उदाहरण के लिए, भारत और आसियान के बीच भौतिक और डिजिटल कनेक्टिविटी को बढ़ाने के लिए जबरदस्त अवसर हैं। आसियान भारत के साथ भूमि, वायु और समुद्री संपर्क को मजबूत करने के लिए प्रतिबद्ध है। ये लिंकेज लोगों को लोगों के प्रवाह को बढ़ाएंगे, साथ ही व्यापार, निवेश और पर्यटन को बढ़ावा देंगे। भारत-म्यांमार थाईलैंड त्रिपक्षीय राजमार्ग भारत के पूर्वोत्तर को मुख्य भूमि दक्षिण पूर्व एशिया से जोड़ेगा। जबकि एक भारत और कई आसियान देशों के बीच सीधे वाई कर सकता है, बढ़ते व्यापार और पर्यटन का समर्थन करने के लिए हवाई लिंक का विस्तार करने के लिए अभी भी बहुत जगह है। भौतिक संपर्क से परे, डिजिटल कनेक्टिविटी, चौथी औद्योगिक क्रांति में नया

फ्रंटियर है। भारत ने नवाचार, स्टार्ट-अप और डिजिटल समावेश में बहुत प्रगति की है। हमारे क्षेत्र में आधार जैसी पहलों को लागू करने के अवसर हैं। ई-कॉमर्स और फिनटेक दो अन्य क्षेत्रों संभावित collabora† हैं मैं पर एक आर्थिक केंद्र के रूप में, सिंगापुर इन विचारों को दक्षिण पूर्व एशिया और उससे आगे लॉन्च करने के लिए एक स्प्रिंगबोर्ड के रूप में काम कर सकता है। आसियान में भारत की भूमिका को सिंगापुर के साथ बढ़ते आर्थिक संबंधों के द्वारा नियंत्रित किया जाना चाहिए। वैश्विक जीडीपी और व्यापार के एक- - तिहाई के साथ 16 देशों को शामिल करने वाला आर्थिक एकीकरण एक एकीकृत एशियाई बाजार का निर्माण करेगा।

44 .मार्ग के अनुसार एक एकीकृत एशियाई बाजार के लिए भारत का लॉन्चपैड कौन हो सकता है?

1. दक्षिण-पश्चिम एशिया

2. थाईलैंड

3. सिंगापुर

4. म्यांमार

उत्तर : (3)

45. भारत और एशियाई के बीच सहयोग के क्षेत्र हैं:

(a) फिनटेक

(b) आधार

(c) ई-कॉमर्स

(d) डिजिटल पिछड़ापन

(e) त्रिपक्षीय राजमार्ग

(f) चौथी औद्योगिक क्रांति

1. (बी), (सी), (डी) और (ई)

2. (ए), (बी), (सी) और (डी)

3. (ए), (सी), (ई) और (एफ)

4. (सी), (डी), (ई) और (एफ)

उत्तर : (2)

46. भारत के साथ एशियाई की प्रतिबद्धता है:

1. राजनीतिक मंच प्रदान करें

2. अधिक से अधिक संवाद

3. परिवहन लिंक में सुधार

4. नेतृत्व का शिखर सम्मेलन

उत्तरः (3)

47 .भारत और एशियाई के बीच पर्यटन को प्रोत्साहित करने के लिए क्या आवश्यक है?

1. जलमार्ग

2. नवाचार

3. हवाई लिंक

4. स्टार्ट-अप

उत्तरः (3)

48. सिंगापुर ने भारत के साथ मजबूत संबंधों को चुनने के लिए क्या संकेत दिया?

1. ऐतिहासिक अतीत

2. शीत युद्ध का अंत

3. भू-राजनीतिक समीकरण

4. भारत में आर्थिक उदारीकरण

उत्तरः (4)

निम्नलिखित मार्ग को सावधानीपूर्वक पढ़ें और प्रश्नों का उत्तर दें। 49 से 53

अमेज़न के दक्षिण में कुछ 2000 किमी, और उसी समय के बारे में जब ज्वार की लहरें मार्च और अप्रैल (2018) में सबसे अधिक सख्ती से अमेज़न डेल्टा पर समुद्र और ताजे पानी के बड़े झड़प के परिणामस्वरूप अपने उच्चतम स्तर पर थीं, से अधिक 40,000 लोग पानी की शक्ति के बारे में बात कर रहे थे। ब्रासीलिया ने विश्व जल मंच (डब्ल्यूडब्ल्यूएफ - 8) के आठवें संस्करण की मेजबानी की, जहां मानव जाति के सबसे मूल्यवान संसाधन के वर्तमान और भविष्य पर चर्चा करने के लिए राज्यों के प्रमुख, सीi vil समाज और निजी क्षेत्र एकत्र हुए। इस वर्ष का विषय 'शेयरिंग वॉटर' था, और सरकारी अधिकारियों ने जल संसाधनों से जुड़े खतरों और अवसरों के बारे में जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से एक राजनीतिक घोषणा की

उम्मीद की थी। एजेंडा 2030 के सततविकास लक्ष्यों के आवधिक मूल्यांकन में यहां पर विचार-विमर्श एक निर्णायक भूमिका निभाएगा।

ब्राजील ने बहु-1 - हितधारक भागीदारी के सिद्धांत के आधार पर, जल प्रबंधन के लिए एक ठोस संस्थागत और कानूनी ढांचा स्थापित किया है। ब्राज़ील भी सबसे साहसिक नदी अंतर - लिंकिंग परियोजनाओं में से एक का संचालन कर रहा है, जिसमें 500 किमी की नहरें साओ फ्रांसिस्को बेसिन से ब्राजील के सबसे शुष्क क्षेत्रों में से एक में छोटी नदियों और पानी के

लिए प्रचुर मात्रा में पानी हस्तांतरित करेगी, जिससे लगभग 12 मिलियन से अधिक लोग लाभान्वित होंगे। 400 नगरपालिकाएँ ।

भारत में भी जल संसाधनों की एक विशाल विविधता है। क्षेत्रीय नदी बोर्डों और आर आई वेरी क्लींजिंग मिशनों से युक्त एक संस्थागत ढांचा स्थापित किया गया है, जबकि क्रमिक केंद्र सरकारों ने सिंचाई और भूजल की कमी की सख्त जरूरतों को पूरा करने के प्रयास किए हैं। ब्राजील के मामले में, भारत में बहुत कुछ किया जाना बाकी है।

औद्योगिक अपशिष्ट-जल का पर्याप्त उपचार, नदी नालों के प्रदूषण के खिलाफ लड़ाई और सूखा प्रभावित क्षेत्रों को सहायता नई दिल्ली और ब्रासीलिया दोनों के लिए उच्च प्राथमिकता वाले विषय हैं। इन समानताओं के कारण, द्विपक्षीय सहयोग के लिए पर्याप्त जगह है। पानी एक स्थानीय, क्षेत्रीय और वैश्विक आम है और इस तरह, सहयोग अपने अधिकांश संबद्ध खतरों को संबोधित करने के लिए महत्वपूर्ण है।

आज, मानव जाति को दो तथ्यों का सामना करना पड़ रहा है: पानी बहुत शक्तिशाली है, जिस पर लड़ने के लिए बहुत ताकत है, और बहुत मूल्यवान संसाधन खो जाना है। इन दो परस्पर विरोधी पहलुओं के बीच सामंजस्य स्थापित करने के लिए, पानी

को साझा करना शायद एकमात्र साधन है जो मैं आने वाले युगों के लिए एक आदर्श वाक्य है।

4 9.मार्ग के पाठ के अनुसार, विश्व जल मंच के आठवें संस्करण का संबंध था

(1) मानव जाति का वर्तमान और भविष्य

(2) उच्च ज्वार की लहरों का मुद्दा

(3) पानी की शक्ति

(4) पानी से संबंधित समस्याओं के समाधान में नागरिक समाज की भूमिका उत्तरः (3)

50 .शेयरिंग वॉटर 'थीम पर डेलीगेशन को सुगम बनाना चाहिए

(1) सतत विकास लक्ष्यों का नियमित मूल्यांकन

(2) जल संसाधनों के संरक्षण में निजी क्षेत्र की भूमिका

(3) संस्थागत ढांचे की स्थापना

(4) सरकारी अधिकारियों का संवेदीकरण

उत्तर : (1)

51. जल प्रबंधन के लिए ब्राजील का संस्थागत ढांचा

(1) द्विपक्षीय सहयोग को बढ़ावा देता है

(2) बहु-हितधारक भागीदारी के लिए प्रदान करता है

(3) क्षेत्रीय नदी बोर्डों से मिलकर

(4) पानी के बंटवारे के कानूनी आयामों को संबोधित करता है उत्तरः (2)

52. नदी जल के संबंध में नई दिल्ली और ब्रासीलिया दोनों के लिए उच्च प्राथमिकता क्या होगी ?

(1) पानी को वैश्विक आम के रूप में प्रस्तावित करना

(2) पानी बाँटना

(3) बड़े जल संसाधनों का विकास

(4) नदी नालों के दूषित होने से लड़ना

उत्तरः (4)

53. मार्ग का मुख्य फोकस चालू है

(1) जल संघर्ष का समाधान

(2) द्विपक्षीय सहयोग को प्रोत्साहित करना

(3) पानी का मूल्यवान संसाधन के रूप में प्रबंधन

(4) नदी अंतर - लिंकिंग

निम्नलिखित मार्ग को ध्यान से पढ़ें और प्रश्न का उत्तर 54 से 58 तक दें :

यदि भारत को अपनी आंतरिक शक्तियों का विकास करना है, तो राष्ट्र को तीन गतिशील आयामों: लोगों, समग्र अर्थव्यवस्था और सामरिक हितों को ध्यान में रखते हुए, तकनीकी अनिवार्यताओं पर ध्यान केंद्रित करना होगा। इन तकनीकी

अनिवार्यताओं भी ध्यान में रखना एक 'चौथे' आयाम, समय, और व्यापार, व्यापार में आधुनिक दिन गतिशीलता के शाखा, और प्रौद्योगिकी है कि सुराग लगातार श मैं लक्ष्य fting | हम मानते हैं कि लोगों की आकांक्षाओं, वैश्विक संदर्भ में अर्थव्यवस्था और रणनीतिक हितों में निरंतर परिवर्तन अंतर्निहित इस चौथे आयाम से निपटने में तकनीकी ताकत विशेष रूप से महत्वपूर्ण हैं। प्रौद्योगिकी की प्रगति मानव इतिहास के केंद्र में है। तकनीकी ताकत एक तेजी से प्रतिस्पर्धी बाजार जगह में और अधिक उत्पादक रोजगार बनाने और मानव कौशल को लगातार उन्नत करने की कुंजी है। प्रौद्योगिकियों के व्यापक उपयोग के बिना, हम आने वाले वर्षों में अपने लोगों के समग्र विकास को प्राप्त नहीं कर सकते हैं। देश की सामरिक शक्तियों के लिए प्रौद्योगिकी का सीधा संबंध अधिक से अधिक स्पष्ट हो रहा है, खासकर 1990 के दशक से। कई प्रमुख क्षेत्रों में भारत की अपनी ताकत अभी भी भू-राजनीतिक संदर्भ में उचित ताकत की स्थिति में है। विकसित राष्ट्र बनने की आकांक्षा रखने वाले किसी भी राष्ट्र के पास विभिन्न सामरिक प्रौद्योगिकियों में ताकत होने की जरूरत होती है और साथ ही मैं उसे अपनी रचनात्मक शक्तियों के माध्यम से उन्नत बनाने की क्षमता भी रखता हूं। लोगों के लिए उन्मुख कार्यों के साथ-साथ, चाहे बड़े पैमाने पर उत्पादक रोजगार के निर्माण के लिए या लोगों के लिए पोषण और स्वास्थ्य सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए, या बेहतर रहने की स्थिति के लिए, प्रौद्योगिकी एकमात्र महत्वपूर्ण इनपुट है। अधिक से अधिक तकनीकी आवेगों के अभाव में कम उत्पादकता और कीमती प्राकृतिक संसाधनों का अपव्यय हो सकता है। कम उत्पादकता या कम मूल्यवर्धन वाली गतिविधियाँ, अंतिम विश्लेषण में सबसे गरीब को सबसे ज्यादा चोट पहुँचाती हैं। भारत, एएसपी मैं व्यापार और सकल घरेलू उत्पाद में वृद्धि के मामले में एक प्रमुख आर्थिक शक्ति बनने के लिए रिंग, संयंत्र मशीनरी, उपकरण की बड़े पैमाने पर आयात के माध्यम से बनाया गया है और विदेश में या केवल बनाया टर्नकी परियोजनाओं के बल पर सफल और जानते हैं कि कैसे नहीं कर सकते। अल्पकालिक वास्तविकताओं के लिए जीवित रहते हुए भी, हमारे उद्योग के भीतर मुख्य तकनीकी ताकत विकसित करने के लिए मध्यम और दीर्घकालिक रणनीति विकसित भारत की कल्पना करने के लिए महत्वपूर्ण हैं।

54. उपरोक्त गद्यांश के अनुसार, निम्नलिखित में से कौन चौथे आयाम का सूचक है?

(a) लोगों की आकांक्षाएँ

(b) आधुनिक दिन की गतिशीलता

(c) वैश्विक संदर्भ में अर्थव्यवस्था

(d) सामरिक हित

कोड:

(1) (ए), (बी) और (सी) केवल

(2) (बी), (सी) और (डी) केवल

(3) (ए), (सी) और (डी) केवल

(4) (ए), (बी) और (डी) केवल

उत्तरः (3)

55. अधिक उत्पादक रोजगार की मांगः

(1) प्रौद्योगिकी का व्यापक उपयोग

(2) प्रतिस्पर्धी बाजार स्थान को सीमित करना

(3) भू-राजनीतिक विचार

(4) बड़े उद्योग

उत्तर : (1)

56. प्रौद्योगिकी की अनुपस्थिति के कारण होता है:

(a) कम प्रदूषण

(b) बहुमूल्य प्राकृतिक संसाधनों का अपव्यय

(c) कम मूल्यवर्धन

(d) सबसे गरीबों की जल्दबाजी करना

कोड:

(1) (ए), (बी) और (सी) केवल

(2) (बी), (सी) और (डी) केवल

(3) (ए), (बी) और (डी) केवल

(4) (ए), (सी) और (डी) केवल

उत्तरः (2)

57. तकनीकी आदानों के परिणामस्वरूप यदि लाभ होगाः

(1) बेलगाम तकनीकी विकास

(2) संयंत्र मशीनरी का आयात करना

(3) पर्यावरण संबंधी समस्याओं का सामना करना

(4) हमारे लोगों को सम्मान के जीवन में उतारना उत्तरः (4)

58. विकसित भारत की आवश्यकता है:

(1) एक प्रमुख अर्थशास्त्र खिलाड़ी बनने की आकांक्षा

(2) विदेश में डिजाइन की गई परियोजनाओं पर निर्भरता

(3) अल्पकालिक परियोजनाओं पर ध्यान दें

(4) मुख्य तकनीकी शक्तियों का विकास

उत्तरः (4)

पास को ध्यान से पढ़ें और प्रश्न संख्या का उत्तर 59 से 63 तक दें

जलवायु परिवर्तन को स्थायी विकास के लिए सबसे गंभीर खतरों में से एक माना जाता है, जिसका पर्यावरण, मानव स्वास्थ्य, खाद्य सुरक्षा, आर्थिक गतिविधि, प्राकृतिक संसाधनों और भौतिक बुनियादी ढांचे पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। वैश्विक जलवायु प्राकृतिक रूप से बदलती है। इंटरगवर्नमेंटल पैनल ऑन क्लाइमेट चेंज (आईपीसीसी) के अनुसार, जलवायु परिवर्तन के प्रभाव पहले से ही देखे गए हैं, और वैज्ञानिक निष्कर्ष बताते हैं कि एहतियाती और त्वरित कार्रवाई आवश्यक है। जलवायु परिवर्तन की कमजोरता केवल भूगोल या प्राकृतिक संसाधनों पर निर्भरता का कार्य नहीं है; इसमें सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक आयाम भी हैं जो प्रभावित करते हैं कि जलवायु परिवर्तन विभिन्न समूहों को कैसे प्रभावित करता है। गरीब लोगों के पास शायद ही कभी प्राकृतिक आपदाओं अर्थात सूखे, बाढ़, सुपर चक्रवात आदि के कारण संपत्ति के नुकसान को कवर करने के लिए बीमा होता है। गरीब समुदाय पहले से ही गरीबी और जलवायु परिवर्तन की मौजूदा चुनौतियों का सामना करने के लिए संघर्ष कर रहे हैं और जलवायु परिवर्तन उनकी क्षमता से परे कई को धक्का दे

सकता है। सामना करना या जीवित रहना। यह महत्वपूर्ण है कि इन समुदायों को प्रकृति की बदलती गतिशीलता के अनुकूल बनाने में मदद की जाए। अनुकूलन एक ऐसी प्रक्रिया है जिसके माध्यम से समाज खुद को अनिश्चित भविष्य का सामना करने में बेहतर बनाते हैं। जलवायु परिवर्तन के अनुकूल होने से जलवायु परिवर्तन के नकारात्मक प्रभाव को कम करने के लिए सही कदम उठाने की आवश्यकता होती है (या सकारात्मक परिवर्तन का दोहन करके) उपयुक्त समायोजन और परिवर्तन करके। इनमे तकनीकी विकल्पों से लेकर जैसे कि समुद्री बचाव या बाढ़ की वजह से अलग-अलग स्तर पर स्टिल्ट-टू- बिहेवियरल चेंजेज जैसे सबूत होते हैं, जैसे कि सूखे के टी आई मेस में पानी का उपयोग कम करना । अन्य रणनीतियों में चरम घटनाओं के लिए शुरुआती चेतावनी प्रणाली, बेहतर जल प्रबंधन, बेहतर जोखिम प्रबंधन, विभिन्न बीमा विकल्प और जैव विविधता संरक्षण शामिल हैं। वैश्विक तापमान वृद्धि के कारण जलवायु परिवर्तन जिस गति से हो रहा है, उसकी वजह से यह जरूरी है कि विकासशील देशों की जलवायु परिवर्तन की संभावना कम हो और उनकी अनुकूलन करने की क्षमता में वृद्धि हो और राष्ट्रीय अनुकूलन की योजनाएं लागू हों, जिससे जलवायु परिवर्तन हो । सामुदायिक और राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर हर स्तर पर समायोजन और परिवर्तन | समुदायों को अपना लचीलापन बनाना चाहिए, जिसमें पारंपरिक ज्ञान का अधिकतम उपयोग करते हुए उपयुक्त तकनीकों को अपनाना और वर्तमान और भविष्य के जलवायु तनाव से

निपटने के लिए अपनी आजीविका में विविधता लाना शामिल है। स्थानीय मैथुन रणनीतियों और ज्ञान का उपयोग सरकार और स्थानीय हस्तक्षेपों के साथ तालमेल में करने की आवश्यकता है। अनुकूलन के हस्तक्षेप की आवश्यकता राष्ट्रीय परिस्थितियों पर निर्भर करती है। जलवायु परिवर्तन और चरम मौसम की घटनाओं से मुकाबला करने पर स्थानीय समुदायों के भीतर ज्ञान और अनुभव का एक बड़ा निकाय है । स्थानीय समुदायों ने हमेशा अपने जलवायु में बदलाव के अनुकूल होने का लक्ष्य रखा है। ऐसा करने के लिए, उन्होंने अपने संसाधनों और अपने ज्ञान के आधार पर तैयारी की है जो पिछले मौसम के पैटर्न के अनुभव के माध्यम से संचित

है। इसमें टी आई मेस शामिल है, जब उन्हें बाढ़, सूखा और तूफान जैसी चरम घटनाओं से प्रतिक्रिया करने और पुनर्प्राप्त करने के लिए मजबूर किया गया है । स्थानीय मैथुन रणनीतियाँ अनुकूलन के लिए नियोजन का एक महत्वपूर्ण तत्व है। जलवायु परिवर्तन प्रमुख समुदायों को जलवायु संबंधी चरम सीमाओं के साथ-साथ नए जलवायु परिस्थितियों और चरम सीमाओं का अनुभव करने के लिए अग्रणी है। पारंपरिक ज्ञान कुशल, उपयुक्त और समय प्रदान करने में मदद कर सकता है - वैश्विक तापन के कारण जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को महसूस करने वाले समुदायों में जलवायु परिवर्तन के लिए अनुकूलन और सलाह देने के तरीकों की जांच की जा सकती है।

59. जलवायु परिवर्तन विकासशील देशों की चुनौती का तत्काल समाधान करने की आवश्यकता है:

(1) उनके स्तर पर प्राकृतिक अनुकूलन नीति का कार्यान्वयन

(2) अल्पकालिक योजनाओं को अपनाना

(3) तकनीकी समाधानों को अपनाना

(4) जलवायु परिवर्तन कर का प्रभाव

उत्तर : (1)

60. नीचे दिए गए जलवायु परिवर्तन में गरीब लोगों की भेद्यता के कारक हैं। सही उत्तर का चयन करें।

(a) प्राकृतिक संसाधनों पर उनकी निर्भरता

(b) भौगोलिक विशेषताएँ

(c) वित्तीय संसाधनों की कमी

(d) पारंपरिक ज्ञान का अभाव

कोडः

(1) (बी), (सी) और (डी)

(2) (ए), (बी), (सी) और (डी)

(3) (ग) ही

(4) (ए), (बी) और (सी)

उत्तरः (4)

61. एक प्रक्रिया के रूप में अनुकूलन समाजों को सामना करने में सक्षम बनाता है:

(a) अनिश्चित भविष्य

(b) समायोजन और परिवर्तन

(C) जलवायु परिवर्तन का नकारात्मक प्रभाव

(d) जलवायु परिवर्तन का सकारात्मक प्रभाव

निम्नलिखित कोड से सबसे उपयुक्त उत्तर चुनेंः

(1) (ए) और (सी)

(2) (बी), (सी) और (डी)

(3) (ग) ही

(4) (ए), (बी), (सी) और (डी)

उत्तरः (4)

62. मार्ग का मुख्य फोकस इस पर है :

(1) क्षेत्रीय और राष्ट्रीय प्रयासों के बीच समन्वय

(2) जलवायु परिवर्तन के प्रति अनुकूलन

(3) जलवायु परिवर्तन के सामाजिक आयाम

(4) पारंपरिक ज्ञान को उपयुक्त तकनीक के साथ जोड़ना उत्तर : (2)

63 .पारंपरिक ज्ञान का उपयोग करना चाहिए

(1) राष्ट्रीय परिस्थितियों में सुधार

(2) सरकार और स्थानीय हस्तक्षेपों के बीच तालमेल

(3) आधुनिक तकनीक

(4) इसका प्रसार

उत्तर : (2)

निम्नलिखित गद्यांश को ध्यान से पढ़ें और 64 से 69 तक के प्रश्नों के उत्तर दें :

आखिरी महान युद्ध, जिसने लगभग आधुनिक दुनिया की नींव हिला दी थी, भारतीय साहित्य पर हिंसा के खिलाफ लोकप्रिय विद्रोह को बढ़ाने और पश्चिमी दुनिया के

'मानवीय ढोंग' के साथ बढ़ते मोहभंग को जोड़ने से परे बहुत कम प्रभाव पड़ा। यह टैगोर की बाद की कविताओं और उनके अंतिम वसीयतनामा, क्राइसिस इन सिविलाइज़ेशन में स्पष्ट रूप से आवाज़ दी गई थी। भारतीय बुद्धिजीवी नैतिक दुविधा की स्थिति में थे। एक तरफ, यह इंग्लैंड के संकट के समय में कुत्तों के साहस के साथ सहानुभूति रखने में मदद नहीं कर सकता था, क्योंकि रुस मैं ans निर्दयी नाजी भीड़ के खिलाफ दीवार पर अपनी पीठ के साथ लड़ रहा था, और जापानी सैन्यवादकी एड़ी के नीचे चीन कराह रहा था; दूसरी ओर, उनका अपना देश व्यावहारिक रूप से अपनी धरती पर सैन्य कब्जे के तहत था, और सुभास बोस के अधीन एक भारतीय सेना अपने देश को आजाद कराने के लिए विपरीत शिविर से कोशिश कर रही थी। कोई भी रचनात्मक आवेग वफादारी की ऐसी उलझन से जारी

नहीं कर सकता है। 1947 में भारतीय स्वतंत्रता की उपलब्धि, जो कि सहयोगी देशों की जीत के मद्देनजर आई थी और

उसके बाद दक्षिण-पूर्व एशिया के पड़ोसी देशों में उपनिवेशवाद के पतन के बाद रचनात्मक ऊर्जा का प्रवाह जारी होगा। इसमें कोई संदेह नहीं है, लेकिन दुर्भाग्यवश यह विभाजन की लालसा में डूबा हुआ पुत्र था, इसके निर्दोष लोगों के अमानवीय वध

और उनके मातृभूमि से लाखों लोगों के उखाड़ फेंकने के बाद, महात्मा गांधी की शहादत के बाद। इन त्रासदियों ने कश्मीर पर पाकिस्तान के आक्रमण और बांग्लादेश में उसके बाद के अत्याचारों के साथ, वास्तव में एक मार्मिक लेखन को उकसाया, विशेष रूप से सबसे अधिक प्रभावित क्षेत्रों की भाषाओं में, बंगाली, हिंदी, कश्मीरी, पंजाबी, सिंधी और उर्दू | लेकिन मार्मिक या भावुक लेखन खुद महान साहित्य नहीं बनाता है। उत्साह और विश्वास का क्या भंडार इन घ बच मैं sasters मुख्य रूप से राष्ट्रीय पुनर्निर्माण और आर्थिक विकास के कार्य में लीन की है। महान साहित्य हमेशा आक्षेपों की जंजीरों से बाहर निकला है। भारतीय साहित्य आज पहले से कहीं अधिक मात्रा, श्रेणी और विविधता में समृद्ध है। पास के आधार पर 55 से 60 तक निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दें:

64. टैगोर ने अपने अंतिम वसीयतनामे में क्या स्पष्ट किया?

(1) सुभाष बोस को समर्थन की पेशकश की।

(2) पश्चिमी दुनिया के मानवीय ढोंगों को उजागर किया।

(3) इंग्लैंड के प्रति निष्ठा व्यक्त की।

(4) देशों की मुक्ति को प्रोत्साहित किया ।

उत्तरः (2)

65. महान युद्ध की अवधि के दौरान भारतीय बुद्धिजीवियों का रुख क्या था?

(1) रूस की दुर्दशा के प्रति उदासीनता ।

(2) वे जापानी सैन्यवाद के पक्षधर थे।

(3) उन्होंने रचनात्मकता को भ्रमित निष्ठाओं से बाहर करने के लिए प्रेरित किया।

(4) उन्होंने इंग्लैंड के कुत्ते के साहस के लिए सहानुभूति व्यक्त की ।

उत्तरः (4)

66. भारतीय साहित्य में रचनात्मक ऊर्जा के डूबने के लिए जिम्मेदार कारक की पहचान करें।

(1) सैन्य occupat मैं एक ही मिट्टी के पर।

(2) औपनिवेशिक आधिपत्य का विरोध।

(3) विभाजन की महान पीड़ा ।

(4) मित्र राष्ट्रों की विजय ।

उत्तर : (3)

67. कश्मीर और बांग्लादेश में त्रासदियों के बाद बची हुई कौन सी घटना थी?

(1) अन्य देशों पर संदेह

(2) प्रतिद्वंद्विता का लगातार बने रहना

(3) युद्ध का खतरा

(4) राष्ट्रीय पुनर्निर्माण

उत्तरः (4)

68. पैसेज में संदेश है कि

(1) आपदाएँ अपरिहार्य हैं।

(2) महान साहित्य आक्षेपों की श्रृंखला से निकलता है।

(3) भारतीय साहित्य में एक परिदृश्य नहीं है ।

(4) साहित्य का युद्ध और स्वतंत्रता से कोई संबंध नहीं है।

उत्तरः (2)

69. भारतीय साहित्य पर अंतिम महायुद्ध का क्या प्रभाव पड़ा?

(1) इसका कोई प्रभाव नहीं पड़ा ।

(2) इसने हिंसा के खिलाफ लोकप्रिय विद्रोह को बढ़ा दिया।

(3) इसने साहित्य की नींव हिला दी ।

(4) इसने पश्चिमी दुनिया को शानदार समर्थन दिया ।

उत्तर : (2)

निम्नलिखित गद्यांश को ध्यान से पढ़ें और 70 से 75 तक प्रश्नों के उत्तर दें :

मोशन-पिक्चर उद्योग और इसकी घटक कंपनियों के कई पहलू उन्नत-प्र - प्रौद्योगिकी उद्योगों और फर्मों में अवलोकन योग्य हैं। उदाहरण के लिए, कंपनी की लंबी उम्र दो संगठनात्मक संदर्भों में एक सुसंगत चिंता का प्रतिनिधित्व नहीं करती है। उदाहरण के लिए उन्नत प्रौद्योगिकी कंपनी में, एक नया उत्पाद - नवाचार - जो फर्म को वित्तीय रिटर्न उत्पन्न करने की उम्मीद करता है - कंपनी के सफल होने के लिए अपर्याप्त है।

बल्कि, नए उत्पाद इनोवेट आई ऑन की एक धारा की आवश्यकता है। इस मामले की स्वतंत्र उत्पादन कंपनी के विपरीत, प्रत्येक नई फिल्म - जो प्रिंसिपलों को वित्तीय रिटर्न उत्पन्न करने की उम्मीद करती है - कंपनी के सफल होने के लिए पर्याप्त है। फर्म के प्रतिभागियों को शामिल करने वाली किसी भी बाद की नई फिल्मों का निर्माण एक अलग स्वतंत्र कंपनी द्वारा किया जाएगा।

एक अन्य उदाहरण के रूप में, लोगों के सीखने से दो संगठनात्मक संदर्भों में विभिन्न योगदानकर्ताओं और लाभार्थियों के होने की उम्मीद है। उन्नत प्रौद्योगिकी कंपनी में, उदाहरण के लिए, प्रत्येक नया उत्पाद नवाचार अनुभव प्राप्त करने और प्राप्त करने के लिए परियोजना टीम के प्रतिभागियों के लिए एक अवसर प्रदान करता है, और यह एक ही कंपनी ऐसे प्रतिभागियों को बनाए रखने का इरादा रखती है, इसलिए, मुझे उनके बढ़े हुए अनुभव पर लाभ नहीं होगा । अगली परियोजना। स्वतंत्र उत्पादन

कंपनी के साथ विपरीत करके, प्रत्येक नई फिल्म इस अनुभव को सीखने और हासिल करने के लिए परियोजना टीम के प्रतिभागियों के लिए एक अवसर प्रदान करती है, लेकिन इस कंपनी को ऐसे प्रतिभागियों को बनाए रखने की बहुत कम या कोई उम्मीद नहीं है, और इसलिए, उनके बढ़े हुए अनुभव से लाभ होता है। अगले प्रोजेक्ट में

मोशन-पिक्चर इंडस्ट्री में अनुभव सर्वोपरि है। आम तौर पर, फिल्म प्रोजेक्ट्स पर बजट बहुत तंग होते हैं, और शेड्यूल की बहुत मांग होती है। लोगों को उनके अनुभवके आधार पर बड़े पैमाने पर काम पर रखा जाता है और ऐसा करने के लिए तुरंत बुलाया जाता है। परीक्षण और त्रुटि के माध्यम से सीखने के लिए नगण्य सुस्त समय या मार्जिन है, लेकिन अनुभवी लोग परीक्षण और त्रुटि के माध्यम से बिल्कुल सीखते हैं। क्योंकि अनुभव इसकी कीमत इतनी है और फिल्म

प्रोडक्शन हाउस के इतने कम टी है मैं मुझे क्षितिज, उद्योग में प्रवेश के ज्यादातर लोगों के लिए बहुत मुश्किल है। इसके अलावा, इस उद्योग में स्कूलों और कॉलेजों द्वारा निभाई जाने वाली भूमिका न्यूनतम है । कुछ कौशल और तकनीकों को औपचारिक शिक्षा (जैसे, अभिनय स्कूल, थिएटर, फिल्म डिग्री) के माध्यम से सीखा और परिष्कृत किया जा सकता है, लेकिन अधिकांश प्रत्यक्ष अनुभव के माध्यम से आते हैं। मेंटरिंग एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। यह सच है कि फिल्म व्यवसाय अन्वेषण पर अधिक ध्यान केंद्रित करता है। फिर भी उद्योग की सफलता समग्र रूप से सीखने और अन्वेषण के समय पर निर्भर है।

निम्नलिखित प्रश्नो के उत्तर दो:

70. दो संगठनात्मक संदर्भों में एक सुसंगत चिंता क्या नहीं है ?

(A) डिसमिलरिटी

(B) उत्पाद पैकेज

(C) वित्तीय वापसी

(D) कंपनी की दीर्घायु

उत्तर : (D)

71. एक स्वतंत्र उत्पादन कंपनी के सफल होने के लिए क्या पर्याप्त होगा?

(A) नए उत्पाद नवाचारों

(B) प्रत्येक नई फिल्म से वित्तीय रिटर्न

(C) फर्म के प्रतिभागियों द्वारा सक्रिय भूमिका

(D) संगठनात्मक संदर्भ

उत्तरः (बी)

72. एक उन्नत-प्रौद्योगिकी कंपनी अपने प्रतिभागियों के सीखने के अनुभव से क्या उम्मीद करती है?

(A) अगली परियोजना के लिए लाभ

(B) अधिक सीखने का अवसर

(C) उन्हें बनाए रखने की थोड़ी उम्मीद

(D) पिछले उत्पाद की मार्केटिंग में मदद करता है

उत्तरः (ए)

73 .अपने प्रतिभागियों के मामले में एक स्वतंत्र उत्पादन कंपनी की उम्मीद क्या नहीं है?

(ए) अगले प्रोजेक्ट से अनुपस्थिति।

(बी) अगली परियोजना के लिए प्रतिधारण।

(सी) वर्तमान परियोजना में भागीदारी |

(डी) अनुभव प्राप्त करने के लिए अवसर का उपयोग।

74 . फिल्म प्रोडक्शन हाउसों का मूल्य अत्यधिक अनुभव क्यों है?

(A) परीक्षण और त्रुटि विधियों के महत्व के कारण।

(B) सीखने के लिए मार्जिन के कारण।

(C) कम समय के क्षितिज के कारण।

(D) क्योंकि यह फ़िल्मी दुनिया में सभी को आसानी से प्रवेश की अनुमति देता है।

उत्तरः (सी)

75. लेखक के अनुसार, फिल्म व्यवसाय पर क्या ध्यान दिया गया है?

(A) औपचारिक शिक्षा

(B) मेंटरिंग

(C) शोषण

(D) अप्रत्यक्ष अनुभव

उत्तरः (सी)